

प्रेस रिलीज

दिनांक: 28.07.2016

मेट्रो समयपालनता का नया मापदंड (60 सैकण्ड) निर्धारण।

जयपुर मेट्रो ने अपने संचालन 3 जून 2015 से ही यात्रियों को गुणवत्ता एवं समयपालनता के साथ सेवाओं को एक मिशन की तरह माना है। अभी तक मेट्रो ट्रेने यदि अपने गंतव्य स्टेशन तक 120 सैकण्ड से अधिक देरी से पहुंचती है तो, उसकी समयपालनता हानि मानी जाती है। एक अगस्त 2016 से जयपुर मेट्रो ने अन्तर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप समयपालनता का नया मापदंड 60 सैकण्ड (एक मिनट) निर्धारित किया है।

परिचालन निदेशक सी.एस. जीनगर ने बताया कि गत 14 माह के संचालन के दौरान जयपुर मेट्रो ने 99.9 प्रतिशत की समयपालनता अर्जित की, जो किसी नयी मेट्रो के लिए एक उदाहरण है। इस अवधि में 56500 ट्रेनों के संचालन में से सभी कारणों से (तकनीकी, भूकम्प एवं अन्य) केवल 48 ट्रेनें अपने गंतव्य पर 2 मिनट से अधिक देरी से पहुंची।

जीनगर ने अनुसार केवल दिल्ली मेट्रो ने समयपालनता का अन्तर्राष्ट्रीय मापदंड 60 सैकण्ड रखा है, वहीं चैन्नई एवं बैंगलूरु मेट्रो ने 120 सैकण्ड, तथा मुंबई मेट्रो, भारतीय रेलवे की कोलकाता मेट्रो एवं मुंबई लोकल ट्रेनों में इसे 3 मिनट (180 सैकण्ड) रखा गया है। जयपुर मेट्रो ने भी यह तय किया है कि अगस्त 2016 से वह अपनी मेट्रो सेवाएं की गंतव्य स्टेशन तक पहुंचने की समयपालनता अन्तर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप 60 सैकण्ड या एक मिनट रखेगा।

जनसम्पर्क अधिकारी